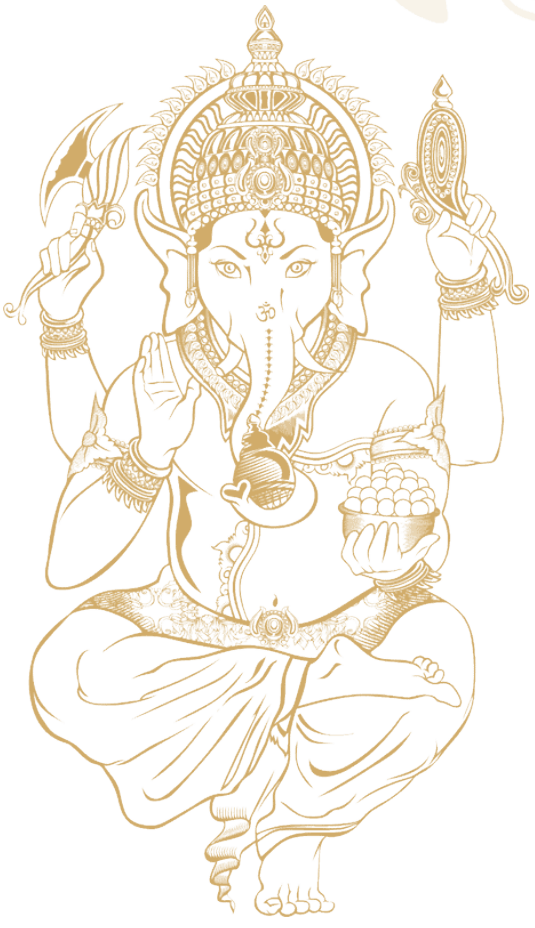

Sarah Bhawna

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120613002

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/10/1994	जन्म तिथि	14/02/1996
गुरुवार	दिन	बुधवार
घंटे 20:03:00	जन्म समय	16:55:00 घंटे
घटी 34:15:50	जन्म समय(घटी)	24:44:14 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:20:40	सूर्योदय	07:01:18
17:53:57	सूर्यास्त	18:09:44
23:47:15	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:18

विंशोत्तरी
चन्द्र 3वर्ष 6मा 25दि

गुरु	10/05/2023
	10/05/2039
गुरु	27/06/2025
शनि	08/01/2028
बुध	15/04/2030
केतु	22/03/2031
शुक्र	20/11/2033
सूर्य	08/09/2034
चन्द्र	08/01/2036
मंगल	14/12/2036
राहु	10/05/2039

अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश
07:27:38	वृष	लग्न	कर्क	16:04:46
26:14:31	कन्या	सूर्य	कुंभ	01:14:46
18:34:19	मक	चंद्र	वृश्चि	28:53:09
11:10:08	कर्क	मंगल	कुंभ	05:23:26
11:28:47	तुला व	बुध	मक	05:28:33
23:49:21	तुला	गुरु	धनु	15:08:42
24:13:14	तुला व	शुक्र	मीन	12:31:50
12:29:47	कुंभ व	शनि	कुंभ	29:45:50
21:18:09	तुला व	राहु व	कन्या	24:51:33
21:18:09	मेष व	केतु व	मीन	24:51:33
28:39:28	धनु	हर्ष	मक	08:07:07
26:49:11	धनु	नेप	मक	02:31:15
02:44:54	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	09:11:19

विंशोत्तरी
बुध 1वर्ष 5मा 1दि

सूर्य	17/07/2024
	17/07/2030
सूर्य	03/11/2024
चन्द्र	05/05/2025
मंगल	10/09/2025
राहु	05/08/2026
गुरु	24/05/2027
शनि	05/05/2028
बुध	11/03/2029
केतु	17/07/2029
शुक्र	17/07/2030

लग्न-चलित

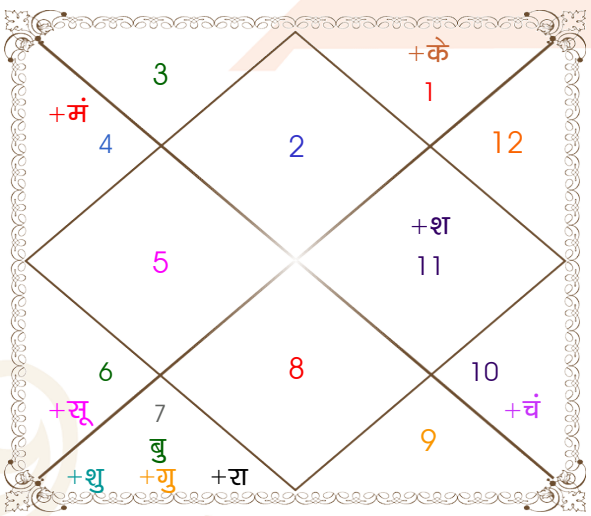

लग्न-चलित

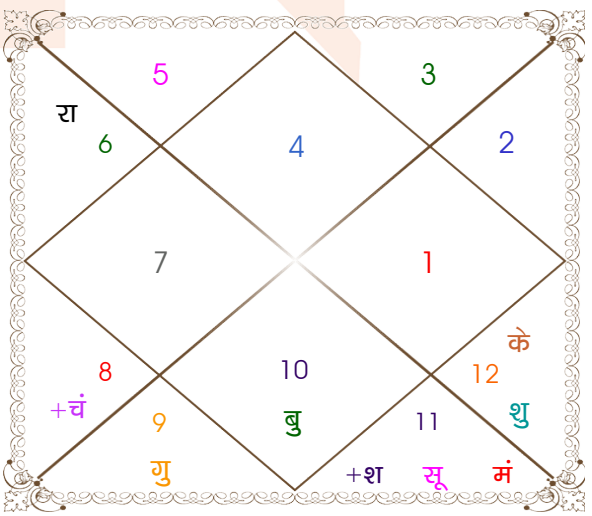

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

ँती का वर्ग मार्जार है तथा Bhawna का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसारँती और Bhawna का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

ँती मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Bhawna मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Bhawna कि कुण्डली में अष्टम् भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहुँती कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ँती तथा Bhawna में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।